generation of power from non-conventional sources of energy;

(b) if so, what are the details thereof;

(c) if not, what are the reasons therefor keeping in view of present energy crisis;

(d) whether Government are aware of the Solar Pond Project being erected in Bhuj in Gujarat State;

(e) if so, what are the details thereof; and

(f) in what manner Government would utilise this knowledge for expansion of Solar Pond Projects?

THE MINISTER OF PETROLEUM AND CHEMICALS (SHRI M.S. GURUPADASWAMY): (a) and (b) Solar Pond Projects have been undertaken as research and demonstration projects for supply of process heat and hot water. The projects involve a total outlay of over Rs. 70.5 lakhs. The total pond area involved is over 6700 sq.m.

(c) Solar Ponds are a low temperature heat source, and the cost of power generation from this source is presently uneconomical.

(d) Yes, Sir.

(e) A Solar Pond of over 6000 sq.m. area and 4 m. depth is being developed at Bhuj as a research and demonstration project for supply of process heat, at a cost of over Rs. 62 lakhs.

(f) Depending upon technical feasibility and economic viability, the results of the research and demonstration programmes could be used for supply of process heat and hot water.

आई एल-62 विमान के केबिन में आयातित आक्सीजन का उपबंध

2059. **श्री विश्वासराव रामराव पाटिल:** क्या नागर विमानन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि "वैट लीज" समझौते के अनुसार, भारत-सोवियत संघ क्षेत्र में चलने वाले आई० एल० 62 विमान के केबिन में आयातित आक्सीजन उपलब्ध की जाती है;

(ख) यदि नहीं, तो क्या विसंपीड़न की स्थिति में यह चालकों, कर्मीदल और यात्रियों के लिए भारी खतरा हो सकता है;

(ग) यदि हां, तो क्या सरकार "वैट लीज" समझौते की समीक्षा कर रही है; और

(घ) क्या इस क्षेत्र में एयर इंडिया का 747 जम्बो जैट विमान चलाना संभव है?

पेट्रोलियम और रसायन मंत्री (श्री एम० एस० गुरुपदस्वामी): (क) से (घ) इस प्रकार के विमान में आक्सीजन मास्क नहीं होते जो विसंपीड़न की स्थिति में स्वतः ही नीचे आ जाते हैं। तथापि, विमान में आक्सीजन बोतलों की व्यवस्था की जाती है। इस प्रकार के विमानों का प्रचालन एयरोफ्लोट के तंत्रजाल पर सभी तरफ किया जाता है। एक आईएल-62 एम यात्री विमान के पट्टे के लिए एयर इंडिया और एयरोफ्लोट के बीच मौजूदा करार 14 नवम्बर, 1990 तक वैध है। 747 विमान से इस सैक्टर पर परिचालन करना संभव है।

महाराष्ट्र में बायो-गैस और सौर ऊर्जा कार्यक्रम का कार्यान्वयन

2060. **श्री विश्वासराव रामराव पाटिल:** क्या ऊर्जा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) महाराष्ट्र के उन स्थानों के नाम क्या हैं जहां बायो-गैस और सौर ऊर्जा संबंधी कार्यक्रम कार्यान्वित किए गए हैं;

(ख) महाराष्ट्र के प्रत्येक जिले में अब तक स्थापित किए गए बायो-गैस और सौर ऊर्जा संयंत्रों की संख्या कितनी है; और

(ग) इन संयंत्रों से महाराष्ट्र के किन-किन जिलों के कितने गांव लाभान्वित हुए हैं?

पेट्रोलियम और रसायन मंत्री (श्री एम० एस० गुरुपदस्वामी): (क) से (ग) बायो-गैस संयंत्रों तथा सौर ऊर्जा प्रणालियों की संख्या तथा महाराष्ट्र में उन स्थानों के नाम (जिले) जहां ये लगाए गए हैं, का ब्यौरा विवरण में दिया गया है।

इस राज्य के 30 जिलों के लगभग 1300 गांव

सौर ऊर्जा प्रणालियों की स्थापना से लाभान्वित हुए हैं। इन 30 जिलों में बायो-गैस संयंत्रों की स्थापना से बहुत बड़ी संख्या में गांव लाभान्वित हुए हैं।

विवरण

क्र० सं०	जिले का नाम	31-3-89 तक स्थापित सौर प्रणालियों की संख्या	31-3-89 तक स्थापित बायो-गैस संयंत्रों की संख्या
1	अहमदनगर	64	14158
2	अकोला	8	12511
3	अमरावती	77	9883
4	औरंगाबाद	38	6348
5	बांद्रा	129	13275
6	बीड	1	6035
7	बम्बई	42	2
8	बुलडाना	44	12780
9	चन्द्रपुर	257	14793
10	धुले	158	7240
11	गडचीरोली	1295	8254
12	जलगांव	36	10565
13	जलना	20	5125
14	कोलापुर	21	20685
15	नागपुर	54	9077
16	नानदेड	33	9669
17	नासिक	189	9396
18	लाटूर	1	5934
19	उस्मानाबाद	17	5594
20	परभानी	14	6297
21	पुणे	180	15293
22	रायगढ़	38	5662
23	रत्नागिरि	20	7438
24	सांगली	65	14623
25	सतारा	31	18454
26	सिरढ़ी दुर्ग	16	8374
27	सोलापुर	34	12744
28	थाने	83	11015
29	वर्धा	35	6801
30	यवतमाल	36	15429

कोयले के मूल्य में वृद्धि

2061. **श्री शंकर दयाल सिंह:** क्या ऊर्जा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) विगत पांच वर्षों में कोयले के मूल्य में वर्ष-वार कितनी वृद्धि हुई है;

(ख) कोयले के मूल्यों में वृद्धि का क्या औचित्य है; और

(ग) क्या यह सच है कि कोल इंडिया लिमिटेड घाटे के बजाए लाभ दिखलाने के लिए कोयले के मूल्यों में निरन्तर वृद्धि करता रहा है?

पेट्रोलियम और रसायन मंत्री (श्री एम० एस० गुरुपदस्वामी): (क) पिछले 5 वर्षों के दौरान कोयले की पिट हैड कीमतों में निम्नलिखित रूप में संशोधन किया गया:

—(रु० प्रति टन)

संशोधन की तारीख	निम्नलिखित कंपनियों द्वारा उत्पादित कोयले की औसतन पिट-हैड कीमत	
	को०इ०लि०	सिं०को०कं०लि०
9-1-86	210.00	219.00
23-12-87	219.00	कोई परिवर्तन नहीं
24-9-88	कोई परिवर्तन नहीं	270.00
1-1-89	249.00	कोई परिवर्तन नहीं
24-1-89	कोई परिवर्तन नहीं	297.00

(ख) कोयले की कीमतों में वृद्धि किए जाने की आवश्यकता निम्नलिखित में वृद्धि होने के कारण हुई — मजदूरी में संशोधन होने के कारण उत्पादन लागत में वृद्धि, परिवर्तनशील महंगाई भत्ते के कारण मजदूरी में वृद्धि, भण्डारों की ऊंची लागत, ऊंची पूंजीगत लागत, आदि। कीमतों में वृद्धि औद्योगिक लागत तथा कीमत ब्यूरो द्वारा दिए गए एक वृद्धि फार्मूले पर आधारित की गई है।

(ग) कोल इंडिया लि० के घाटे में 1988-89 को समाप्त 3 वर्ष की अवधि से जिस अवधि के लिए कोल इंडिया लि० के खातों को अन्तिम रूप दे दिया गया है गिरावट देखने में आई है।